हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 58 | प्रयागराज, सोमवार 29 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

नया संसद भवन 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतीक है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नया संसद भवन 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतीक है और लोकतंत्र का यह मंदिर दुनिया को भारत के संकल्प का संदेश देता है। नए संसद भवन में अपना पहला भाषण देते हुए, जिसका उद्घाटन उन्होंने दिन में किया था, मोदी ने कहा हर देश के विकास में ऐसे क्षण होते हैं जो ऐतिहासिक हो जाते हैं। और जब भारत आजादी का अमश्त काल मना रहा है, तो देश के लोगों ने अपने लोकतंत्र को एक नया संसद भवन उपहार में दिया है।मोदी ने कहा, यह सिर्फ एक इमारत नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। यह दुनिया को भारत के दढ़ संकल्प का संदेश देने वाले हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। लोकसभा कक्ष में ऐतिहासिक सेंगोल की स्थापना पर टिप्पणी करते हुए मोदी ने कहा, संसद भवन में जब भी कार्यवाही शुरू होगी, सेंगोल हम सभी को प्रेरित करता रहेगा। मोदी ने यह भी कहा कि हमारा लोकतंत्र

हमारी प्रेरणा है, हमारा संविधान हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा, इस प्रेरणा, इस प्रस्ताव का सबसे अच्छा प्रतिनिधि हमारी संसद है।उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत आगे बढ़ता है तो दुनिया आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा, संसद का यह नया भवन भारत के विकास के साथ–साथ विश्व के विकास का आह्वान करेगा।

बीस विपक्षी दलों ने भाजपा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं करने और इसे देश के प्रथम नागरिक का अपमान बताते हुए नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। इस बीच, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद को लोगों की आवाज बताया और नए संसद भवन के प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी उद्घाटन को राज्याभिषेक मान रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की भाजपा मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पार्टी के मुख्यमंत्री परिषद की बैठक चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा के उपमुख्यमंत्रियो के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक की शुरूआत में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा पार्टी के कई अन्य दिग्गज नेता मौजूद हैं। बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर समेत भाजपा के कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मौजूद हैं।

900 कारीगरों की 10 लाख घंटे की मेहनत कमल, मोर और भारतीय संस्कृति की झलक दिखाते तैयार की नई संसद में बिछने वाली कालीन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के करीब 900 कारीगरों द्वारा ''10 लाख घंटे तक बुनाई करके बनाए गए कालीन नए संसद भवन में लोकसभा और राज्यसभा के फर्श की शोभा बढघ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया। लोकसभा और राज्यसभा के कालीनों में क्रमशः राष्ट्रीय पक्षी मोर और राष्ट्रीय पुष्प कमल के उत्कृष्ट रूपों को दर्शाया गया है। ये कालीन तैयार करने वाली 100 साल से अधिक पुरानी भारतीय कंपनी 'ओबीटी कार्पेट ने कहा कि बुनकरों ने लोकसभा तथा राज्यसभा के लिए 150 से अधिक कालीन तैयार किए और ''फिर उनकी 35,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले दोनों सदनों की वास्तुकला के अनुरूप अर्ध–वृत्त के आकार में सिलाई की गई।'ओबीटी कार्पेट के अध्यक्ष रुद्र चटर्जी ने कहा, ''बुनकरों को 17,500 वर्ग फुट में फैले सदन कक्षों के लिए कालीन तैयार करने थे। डिजाइन टीम के लिए यह एक बेहद चुनौतीपूर्ण था क्योंकि उन्हें कालीन को अलग–अलग टुकडों में सावधानी से तैयार करना था और उन्हें यह सुनिश्चित करते हुए एक साथ जोडघ्ना था कि बुनकरों की रचनात्मक महारत कालीन को जोडने के बाद भी कायम रहे और यह कालीन अधिक लोगों की आवाजाही के बावजूद खराब न हो। राज्यसभा में उपयोग किए गए रंग मुख्य रूप से कोकम लाल रंग से प्रेरित हैं और लोकसभा में हरे रंग का इस्तेमाल किया गया है जो भारतीय मोर के पंखों से प्रेरित है।

जिप इलेक्ट्रिक के बेडे में अगले तीन साल में दो लाख वाहन होंगे

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक परिवहन स्टार्टअप जिप इलेक्ट्रिक ने अगले तीन साल में अपने बेडे में दो लाख वाहन शामिल करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी को विस्तार के लिए 30 करोड डॉलर की जरूरत होगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और संस्थापक आकाश गुप्ता ने यह जानकारी दी है। कंपनी मुंबई, पुणे और हैदराबाद जैसे नए शहरों में प्रवेश की योजना बना रही है। कंपनी का इस साल 500 करोड रुपए का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य है। पिछले साल कंपनी का राजस्व 125 करोड रुपए रहा था। गुप्ता ने कहा, ''हमारे हमारे पास अभी 13,500 वाहन हैं। हम कितनी तेजी से 2,00,000 तक पहुंच सकते हैं, इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए हम भागीदारियां कर रहे हैं, हम प्रौद्योगिकी बना रहा है, हम शोध एवं विकास के लिए टीम बना रहे हैं। हम इसे कई बाजारों में कर रहे हैं।'' दो लाख इकाइयों के बेडे तक पहुंचने में कितना समय लगेगा, यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसमें तीन साल लगेंगे। जिप ई–कॉमर्स और खाने–पीने का सामान और किराना की आपूर्ति करने वाली कंपनियों मसलन स्विगी, जोमैटो, अमेजन, मिन्त्रा, डेल्हीवेरी और फार्मईजी को सेवाएं देती हैं। कंपनी की मौजूदगी फिलहाल दिल्ली–एनसीआर और बेंगलुरु में है। गुप्ता ने कहा, ''हम और बाजारों में विस्तार कर रहे हैं। हम मुंबई उसके बाद पुणे, हैदराबाद जैसे बाजारों में जाने की योजना बना रहे हैं। वित्तपोषण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी अभी और कोष नहीं जुटाएगी। कंपनी ने हाल में श्रृंखला–बी का वित्तपोषण पूरा किया है। हालांकि, उन्होंने कहा, ''इस कारोबार में विस्तार की काफी गुंजाइश है। अगले तीन से चार साल में कंपनी को 25 से 30 करोड डॉलर की जरूरत होगी।

बंगाल में छिड़ी बीजेपी के 9 साल बनाम टीएमसी के 12 साल पर तेज बहस

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जल्द ही अपनी नौवीं वर्षगांठ मनाने जा रही है, ऐसे में तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि केंद्र पिछले नौ वर्षों के दौरान अपनी उपलब्धियों पर एक श्रिपोर्ट कार्डश लेकर आए। एक बार केंद्र सरकार के सामने आने के बाद, राज्य सरकार तश्णमूल कांग्रेस शासन के 12 वर्षों की उपलब्धियों और विकास गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एक काउंटर रिपोर्ट कार्ड जारी करने की योजना बना रही है, जो 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चा सरकार को सत्ता से हटाकर सरकार में आई थी।इस तुलनात्मक आख्यान का स्वर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर में एक सार्वजनिक रैली में निर्धारित किया था। यह त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर उनके दो महीने के जनसंपर्क कार्यक्रम का एक हिस्सा था। बनर्जी ने कहा, बीजेपी पिछले नौ वर्षों से केंद्र में सत्ता में है। कृपया पिछले नौ वर्षों के दौरान अपने प्रदर्शन पर एक रिपोर्ट कार्ड के साथ सामने आएं। उसके बाद,

पश्चिम बंगाल सरकार अपने 12 साल के शासन की रिपोर्ट कार्ड लेकर आएगी। दोनों को अपने–अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ जनता के सामने आने दीजिए, लोग अंतर समझेंगे। एक तरफ पश्चिम बंगाल में इतनी विकासात्मक गतिविधियां हुई हैं और दूसरी तरफ भाजपा ने जो किया है, वह आम जनता पर बोझ डालना है। उन्होंने 2,000 रुपये के नोटों को धीरे–धीरे खत्म करने के केंद्र सरकार के हाल के फैसले पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा,नौ वर्षों के दौरान दो विमुद्रीकरण अभियान केंद्र सरकार का शुद्ध उपहार है। इसलिए अब लोगों के लिए यह तय करने का समय है कि वे नोट बदलने के लिए कतार में खड़े होंगे या देश के प्रधान मंत्री को बदलने के लिए लाइन में खड़े होंगे। बनर्जी के बाद, तश्णमूल कांग्रेस के नेतश्त्व ने भी राज्य सरकार की कल्याणकारी परियोजनाओं जैसे काम्या श्री (छात्राओं के लिए छात्रवशत्ति योजना), लक्ष्मी भंडार (60 वर्ष की आयु तक सभी महिलाओं के लिए मासिक भत्ता योजना) और स्वस्थ साथी (मुफ्त स्वास्थ्य बीमा) को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। ये पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार के कुछ निर्णयों जैसे विमुद्रीकरण और कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकार की हिस्सेदारी के विनिवेश और बैंकों के विलय के खिलाफ थे।

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर पद के लिए एक जून को होगा पांच उम्मीदवारों का साक्षात्कार

नई दिल्ली। कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली समिति एक जून को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर पद के लिए पांच उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम के जैन का विस्तारित कार्यकाल 21 जून को पूरा हो रहा है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के पद के लिए यह पद एक वाणिज्यिक बैंकर के लिए आरक्षित है। सूत्रों के अनुसार, इस पद के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक के गैर–कार्यकारी चेयरमैन सहित पांच उम्मीदवारों का नाम छांटा गया है। सूत्रों ने कहा कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति (एफएसआरएएससी) दिल्ली में उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी। साक्षात्कार में चुने गए नाम को अंतिम मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास भेजा जाएगा। खोज समिति में कैबिनेट सचिव के अलावा आरबीआई गवर्नर, वित्तीय सेवा सचिव और दो स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।

पहलवानों का विरोध किया, प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर पर बैरिकेड्स तोड़े, दिल्ली में भाजपा सांसद बश्जभूषण के घर पहुंचे

नई दिल्ली। पहलवान रविवार को जंतर–मंतर पर बैरिकेड्स तोड़कर दिल्ली में भाजपा सांसद बश्जभूषण के घर पहुंचे। सबसे पहले संगीता फोगट और विनेश बैरिकेड्स को पार किया। दिल्ली पुलिस ने और अतिरिक्त सुरक्षाबलों की मांग की है।

इससे पहले दिन में, प्रदर्शनकारियों को पहलवानों का समर्थन करने के लिए दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए, हरियाणा में पुलिस अधिकारियों ने पंजाब के साथ सीमाओं पर सड़क बैरिकेड्स लगाए और राष्ट्रीय राजधानी में उनके प्रवेश की निगरानी और रोक लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए गए। पहलवानों और अन्य प्रदर्शनकारियों को वहां से हिरासत में लिया गया और बसों में भरकर ले जाया गया।

सूत्रों का कहना है कि हरदीप अहलावत और महेंद्र नांदल सहित कुछ खाप नेताओं को स्थानीय पुलिस ने हिरासत में लिया है। पंजाब के किसान जो रात्रि विश्राम के लिए अम्बाला में मंजी साहिब गुरुद्वारा पहुंचे थे, आगे के निर्देशों के लिए गुरुद्वारे में इंतजार करते रहे। कानून व्यवस्था की स्थिति

बनाए रखने के लिए गुरुद्वारे के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था और बैरिकेड्स लगाए गए थे। रोहतक में,अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि जय करण मंदोठी (झज्जर), राजेंद्र सिंह (रेवाड़ी) और रोहतास (भिवानी) शामिल हैं, को हरियाणा पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया। अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) के राज्य महासचिव सुमित सिंह ने बताया कि कुछ नेताओं को भी पुलिस ने हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में हिरासत में लिया, जिनमें शमशेर नंबरदार, ओम प्रकाश, कविता आर्य और विष्णु शामिल हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहलवानों के खिलाफ की गयी पुलिस कार्रवाई की निंदा की

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पहलवानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की। पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बश्जभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और 23 अप्रैल से जंतर–मंतर पर धरना दे रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय है। रविवार को, विनेश फोगट, उनकी चचेरी बहन संगीता फोगट और अन्य पहलवानों ने सुरक्षा बैरिकेड्स को तोड़ने का प्रयास किया। इसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस अधिकारियों के बीच धक्का–मुक्की हुई। बाद में साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और उनके समर्थकों सहित सभी पहलवानों को हिरासत में ले लिया गया और धरना स्थल से हटा दिया गया। इससे पहले दिन में पुनिया ने स्वाभिमान की लड़ाई पर जोर देते हुए कहा कि रविवार को महापंचायत होगी। पिछले हफ्ते रविवार को खाप महापंचायत ने प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन किया। ये पंचायत हरियाणा के महम शहर में पांच घंटे से अधिक समय तक चली। खाप पंचायत ने दावा किया कि 28 मई को दिल्ली पंचायत में देश भर से महिलाएं भाग लेंगी। हालांकि, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले ज्यादातर खाप और किसान नेताओं को पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ही रोक दिया।

असम भाजपा ने जताई भूपेन बोरा की ट्रबल इंजन टिप्पणी पर आलोचना

गुवाहाटी। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा के ट्रबल इंजन बताकर असम सरकार पर किए गए व्यंग्य पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राज्य के भाजपा नेताओं ने कहा कि असम में पिछली कांग्रेस सरकारों के विपरीत हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए केंद्र के कोष पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। असम भाजपा के नेता देबजीत महंत ने कहा, भारत की आजादी के बाद से असम में कई वर्षों तक कांग्रेस का शासन रहा। लेकिन भाजपा के यहां सत्ता में आने के बाद से राज्य सरकार अब अपने 4.5 लाख कर्मचारियों को वेतन देने के लिए केंद्र के पैसे पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, शायद बोरा ने यह टिप्पणी इसलिए की क्योंकि उन्हें राज्य में हाल की घटनाओं की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब असम में कांग्रेस की सरकार थी तो नियुक्ति पत्र मिलते ही भर्ती किए गए युवाओं

को रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन अब जब भाजपा सत्ता में है तो युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी मिली है। राज्य सरकार ने हाल ही में लगभग 45,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं, जो विभिन्न विभागों में सेवा के लिए चयनित हुए हैं। बोरा ने पहले कहा था कि नौकरी पाने के लिए लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। हालांकि भाजपा के डर से अब कोई सच नहीं बोल रहा है। महंत ने कहा, मैं असम कांग्रेस अध्यक्ष से अनुरोध करता हूं कि वह एक भी ऐसा उम्मीदवार दिखाएं, जिसे रिश्वत देकर नौकरी मिली हो। उन्होंने बोरा को भविष्य में कोई भी तर्कहीन दावा नहीं करने की चेतावनी भी दी। भाजपा नेता ने दावा किया कि नए नियुक्त कर्मचारियों के अलावा कई कांग्रेस से जुड़े कर्मचारियों को भर्ती परीक्षाओं के हालिया दौर में नियुक्ति पत्र भी मिला है। इससे पहले, भूपेन बोरा ने असम में भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन पर कठोर हमला करते हुए कहा था कि यह डबल इंजन की बजाय ट्रबल इंजन सरकार है।

बोरा ने नौकरियां देने के भाजपा के दावों के बारे में कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने झूठे वादे किए थे और उन पर अमल नहीं किया। उन्होंने सरकार के लाखों नौकरियां देने के दावे और रोजगार की संभावनाओं में कमी की विसंगति को रेखांकित किया। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार के वित्तीय प्रबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान प्रशासन ने राज्य के ऋण भार को बहुत बढ़ा दिया है। उन्होंने ऋण में उल्लेखनीय वशद्धि का जिक्र करते हुए कहा कि 2012–2013 में राज्य सरकार पर 2,757 करोड़ रुपये का कर्ज था जो से बढ़कर 2021–2022 में आश्चर्यजनक रूप से 17,149 करोड़ रुपये हो गया। साथ ही अतिरिक्त 25,000 करोड़ रुपये उधार लेने की योजना है।

'एक तस्वीर भारत के भविष्य को दिखाती है और दसरी आपके भविष्य को', ताबूत को लेकर बीजेपी पर भाजपा का हमला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को नए संसद भवन की वास्तुकला की तुलना एक ताबूत से की, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता राजद को ऐसे ही ताबूत में दफना देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसद भवन का उद्घाटन करते ही बिहार में सत्तारूढ़ दल राजद ने एक ट्वीट किया जिसमें एक ताबूत और नए संसद भवन को अगल–बगल दिखाते हुए पूछा गया, यह क्या है? भाजपा की बिहार इकाई ने ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, "पहली तस्वीर आपका भविष्य है और दूसरी भारत की है। समझे?" भाजपा के राज्यसभा सदस्य और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने ट्वीट के लिए राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे ओछा और शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, "उन्होंने दो तस्वीरें ट्वीट की हैं, एक नयी संसद की और दूसरी एक ताबूत की। नयी संसद की तस्वीर भारत के भविष्य को दिखाती है। ताबूत की तस्वीर राजद के भविष्य को दिखाती है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आरोप लगाया कि राजद ने यह तुलना करके देश की 140 करोड़ जनता की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह उनका मानसिक दिवालियापन दिखाता है।

सम्पादकीय

कायम रहे संसद की मर्यादा

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में दखल नहीं देगा और यह अदालत का विषय भी नहीं है। उद्घाटन समारोह एक पॉलिटिकल इवेंट बन गया है। भारत के नए संसद भवन परिसर का उद्घाटन एक खुशी का अवसर है, लेकिन इस खुशी के अवसर पर एक शिकायत राजनीतिक गलियारों से होती हुई सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गई। विपक्षी दलों की दलील है कि नया संसद भवन एक इमारत मात्र नहीं है। यह प्राचीन परंपराओं, मूल्यों के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद भी है।वहीं सरकार कहती है कि देश में बढ़ती आबादी के साथ नये लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन होता है तो उसके अनुरूप भविष्य में संसद में अधिक सांसदों के बैठने की जगह होनी चाहिए। ताकि संसद का कार्य सुचारू रूप से चल सके। 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित न करना विधायिका या कार्यपालिका द्वारा किया गया फैसला है और इसकी विवेचना अवश्य होनी चाहिए। यह राजनीति का विषय ही नहीं है, व्यावहारिकता से जुड़ा विषय है। ऐसे विषयों पर किसी भी व्यवस्था में बहस लगातार होती रहती है और समय के साथ उसमें सुधार भी होते रहते हैं। लोकतंत्र में संसद का वही स्थान है, जो भारतीय संस्कृति में मंदिर का है।हमारे संविधान निर्माताओं ने इसलिए कहा भी था कि लोकतंत्र (छ्वद्वद्गष्ह्म्ड्डष्4) में प्रत्येक विचार का केंद्र बिंदु संसद ही है और राष्ट्र निर्माण में उसकी अहम भूमिका है। संसद के नवनिर्मित भवन को गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। चार मंजिला संसद भवन में 1272 सांसदों के बैठने की व्यवस्था की गई है। लोकतंत्र का हमारा ये इतिहास देश के हर कोने में नजर आता है। कुछ पुरातन शब्दों से तो हम बराबर परिचित हैं, जैसे सभा, समिति, गणपति, गणाधिपति। ये शब्दावली हमारे मन मस्तिष्क में सदियों से प्रवाहित है। हजारों साल पहले रचित हमारे ऋग्वेद में लोकतंत्र के विचार को समज्ञान यानि समूह चेतना के रूप में देखा गया था।संसदीय व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सतत संवाद, सहमति, सहयोग, सहकार, स्वीकार और सम्मान का भाव प्रबल होना ही चाहिए। यही लोकतंत्र की विशेषता है। इसी में संसदीय परंपरा की महिमा और गरिमा है। संभव है, इसे कुछ लोग कोरी राजनीति कहकर विशेष महत्व न दें, बल्कि इसे खारिज कर दें, परंतु मूल्यों के अवमूल्यन के इस दौर में ऐसी राजनीति की महती आवश्यकता है। ऐसी राजनीति ही राष्ट्र–नीति बनने की संभावना रखती है। ऐसी राजनीति से ही देश एवं व्यवस्था का सुचारू संचालन संभव होगा। संसद देश के एक सौ चालीस करोड़ से अधिक लोगों के लिये लोकतंत्र का मंदिर है।?उसकी शुचिता–गरिमा को बनाये रखना सभी राजनीतिक दलों का दायित्व भी है। सत्तापक्ष व विपक्ष को इसका ध्यान रखना होगा।

सफलता ,असफलता जीवन के दो अहम पहलूस आत्मविश्वास का दामन ना छोड़े

असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास की परम आवश्यकता होती है। असफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दर्शाती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है, लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांक्षी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणति है। आज का युवा बिना सुनियोजित प्रयास के लक्ष्य की प्राप्ति की आकांक्षा रखने लगे हैं और असफल होने के बाद उसका मूल्यांकन ना कर असफल होकर किसी अन्य मार्ग को चुनने के लिए बाध्य हो जाते युवाओं की यह मानसिक स्थिति बड़ी आया हुआ है जो समाज के लिए निर्णायक साबित होती है और एक बड़ा युवा वर्ग गलत मार्ग की ओर प्रशस्त हो जाता है। ऐसे में युवाओं का जीवन बहुत ही कष्टदायक हो सकता है। युवा वर्ग को चाहिए कि लक्ष्य निधारित कर उसके लिए निरंतर कोशिश है और निरंतर श्रम करना चाहिए इसके बाद भी यदि असफलता मिलती है तो सम्यक मूल्यांकन कर असफलता के कारणों को दूर कर दुगनी रफ्तार से मेहनत कर उच्च लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आज युवा आगे बढ़कर देश का जिम्मेदार नागरिक बनेगा ऐसे में युवाओं को सदैव लक्ष्य प्राप्ति और सफलता प्राप्ति के लिए निरंतर कठिन श्रम प्रयास संकल्प और अपनी जीवनी को नियमित रखना होगा जिससे घर, समाज और राष्ट्र की उन्नति भी होगी।

उल्लेखनीय है की असफलता से ही सफलता की तमाम शिक्षा हमें प्राप्त होती है। विवेकानंद जी ने कहा है कि ब्रह्मांड की सारी शक्तियां हमारे ही भीतर ही है यह हम ही हैं जिन्होंने अपनी आंखों के सामने हाथ रखा है और रोते हुए कहते हैं कि अंधेरा है। मनुष्य के जीवन में आत्मविश्वास ही ऐसा गुण है जिससे हम संकल्पित होकर बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर जीवन में सफलता के झंडे गाड़ सकते हैं। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी लाल बहादुर शास्त्री, नरेंद्र मोदी और सबसे बड़े सफलता के और आत्मविश्वास के उदाहरण महात्मा गांधी ही हैं जिन्होंने आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से देश को आजादी दिलाने का महान कार्य किया है। फिर ऐसा क्या है कि देश के युवा वर्ग की बड़ी जनसंख्या हाथ में हाथ धरे सफलता का बैठे–बैठे इंतजार करना चाहती है। देश के नौजवानों को हमारे सफल महापुरुषों से शिक्षा लेकर सफलता के लिए अनंत तक आत्मविश्वास के साथ निरंतर श्रम करना चाहिए जिससे न सिर्फ उनका भला हो बल्कि पूरे समाज और पूरे देश का भला हो सके और देश पूरे विश्व में सीना तान कर अपने आसपास और सफलता की गाथा सुना सके। यह देखा गया है कि मानव अहंकार को ही आत्मविश्वास समझने की भूल कर देते हैं किंतु आत्मविश्वास घमंड और अहंकार में बहुत बड़ा फर्क है। आत्मविश्वास अहंकार विहीन विनम्रता के साथ परिश्रम और संयम संकल्प लेकर सफलता के लक्ष्य की ओर पदार्पण ही है। फल स्वरुप अहंकार को त्याग कर संपूर्ण विश्वास को लेकर देश हित में सफलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए।–**संजीव ठाकुर**

ध्यान भटकाने का उपाय

जिस देश में लगभग 15 प्रतिशत प्राइमरी स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक हो, वहां यह सवाल कतई अहम नहीं हो सकता कि शिक्षक स्कूलों में क्या ड्रेस पहनें। लेकिन भटकी प्राथमिकताओं के इस दौर में सरकारों ने इसी मुद्दे को अहम बना दिया है। भारत में जरूरत स्कूल सहित हर स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की है। शिक्षा देने वाले या पाने वाले सीखने–सिखाने के दौरान क्या पहनते हैं, यह एक प्रासंगिक मुद्दा है। जिस देश में लगभग 15 प्रतिशत प्राइमरी स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक हो, वहां यह सवाल कतई अहम नहीं हो सकता कि शिक्षक स्कूलों में क्या ड्रेस पहनें। लेकिन भटकी प्राथमिकताओं के इस दौर में सरकारों ने इसी मुद्दे को अहम बना दिया है। तो अब असम में स्कूल शिक्षक अपनी मर्जी के कपड़े पहन कर स्कूल नहीं जा सकेंगे। असम सरकार ने अब शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड तय कर दिया है। अगर शिक्षकों के एक तबके में इसको लेकर नाराजगी है, तो उसे वाजिब ही कहा जएगा। उनकी यह बात सही है कि वैसे भी तमाम शिक्षक शालीन कपड़े पहन कर स्कूलों में आते हैं। जबकि सरकार के आदेश से संदेश देने की कोशिश की गई है जैसे ज्यादातर शिक्षक अजीबोगरीब और फैशनेबल कपड़े पहन कर काम पर आते हों। बहरहाल, असम ऐसा करने वाला पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया है। असम स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड जारी करते हुए सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए टी–शर्ट, जींस और मनमानी पोशाक पहनने पर पाबंदी लगा दी है। महिला शिक्षकों के लेगिन्स पहनने पर रोक लगाते हुए उनसे सलवार सूट, साड़ी या असम की पारंपरिक पोशाक मेखला चादर पहनकर शिक्षण संस्थान में आने को कहा गया है। इससे पहले इसी साल ओडिशा सरकार ने भी शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड तय किया था। उसके अलावा गुजरात सरकार भी इस पर विचार कर रही है। जाहिर है, यह सिलसिला आगे बढ़ेगा, क्योंकि इसमें असल सवालों से कुछ समय तक ध्यान भटकाए रखने की संभावना है। असम सरकार का कहना है चूंकि शिक्षकों से विशेष कर्तव्यों का निर्वहन करते समय सभी प्रकार की शालीनता का एक उदाहरण होने की उम्मीद की जाती है, इसलिए ड्रेस कोड का पालन करना जरूरी है। यह सोच भी अपने आप में समस्याग्रस्त है। शालीनता का संबंध सिर्फ परिधान से नहीं होता। यह आचार–व्यवहार में जाहिर होती है, जिसमें इस वक्त क्षरण का दौर है।

मानसून का मिजाज

भारतीय किसानों के लिए सोने की तुलना में पानी अधिक मूल्यवान हैं। क्योंकि कम से कम 50 प्रघतिशत कृषि का पानी वर्षा द्वारा ही प्राप्त होता है। यदि मानसून अनुकूल है तो कृषि पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यदि यह अनुकूल नहीं है तो फिर किसानों के चेहरे पर हताशा आ जाती है। वास्तव में मानसून ऐसा केन्द्र है जिसके आसपास भारत की अर्थव्यवस्था घूमती है। भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 20.5 फीसदी है। अगर मानसून सामान्य रहता है तो कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ौतरी होती है जिससे ग्रामीण बाजारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। इसलिए मानसून का सामान्य रहना भारत के लिए बहुत जरूरी है। अच्छे मानसून के अभाव में खाद्य मुद्रा स्फीति के कारण पूरे देश में उथल–पुथल मच जाती है। भारत की सामाजिक और सांस्कृशतिक एकता में भी मानसून की भूमिका है। कृषि कैलेंडर और लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक जीवन उनके उत्सव मानसून के चारों ओर घूमते हैं। यदि वर्षा अच्छी होती है तो पूरा देश आनंद से झूम उठता है और यदि मानसून विफल रहता है तो सूखे की स्थिघति पैदा हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग ने एक अच्छी खबर यह दी है कि अलनीनो प्रभाव के बावजूद इस वर्ष मानसून सामान्य रहेगा। यह लगातार पांचवां साल होगा जब भारत में मानसून सामान्य रहेगा। हालांकि भारतीय मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक जून में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। उत्तर पश्चिम भारत के कुछ राज्यों में बारिश सामान्य से कम हो सकती है लेकिन दक्षिण पश्चिम मानसून सामान्य रहने की उम्मीद है। इससे पहले आशंका जताई जा रही थी कि आगामी दक्षिण पश्चिमी मानसून सीजन में बारिश औसत से कम होगी। प्रशांत महासागर में अलनीनो प्रभाव के चलते औसत से कम बारिश की बात कही जा रही थी लेकिन अब मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि अलनीनो का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल एक अमेरिकी एजेंसी ने प्रशांत महासागर में अलनीनो इफैक्ट बनने की आशंका जताई थी और रिपोर्ट में कहा गया था कि अलनीनो इफैक्ट के चलते बारिश कम हो सकती है या फिर बहुत ज्यादा भी हो सकती है। सभी तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए केन्द्र सरकार ने राज्यों को तैयारी करने का परामर्श दिया था ताकि अगर बारिश कम होती है तो पर्याप्त मात्रा में खरीफ फसलों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। खरीफ फसलों की बुवाई के सीजन के लिए समुचित रणनीति बनाने के लिए भी एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के लिए बेहतर अवसर पैदा करने, कृषि उत्पादों के संरक्षण एवं मार्किटिंग के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिनके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं लेकिन भारत में मौसम का चक्र काफी बदल चुका है। मई माह में मानसून जैसी बारिश से किसानों की घचिंताएं काफी बढ़ गई हैं। पिछले फरवरी–मार्च में तापमान में अप्रत्याशित बढ़ौतरी से गेहूं का दाना सिकुड़ गया था जिससे गेहूं का उत्पादन प्रभावित हुआ लेकिन इससे फसल को उतना नुक्सान नहीं हुआ जितनी आशंका व्यक्त की जा रही थी। मई में जब तापमान अचानक 46 डिग्री तक पहुंच गया था कि अचानक बेमौसम की बरसात शुरू हो गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिन और बारिश हो सकती है। यह बारिश एक हफ्ता पहले बोई गई दहलनों की फसल के लिए नुक्सानदेह साबित हो सकती है। क्योंकि बारिश के चलते उनके अकुंरन की प्रक्रिया प्रभावित होगी। नरमा और कपास की चल रही बिजाई पर भी असर पड़ सकता है। धीमे उठान के कारण अनाज मंडियों में खुले में पड़ा गेहूं और सरसों भी भीग गया है। देश में मौसमी चक्र के बदलाव के साथ–साथ वर्षा का पैट्रन भी काफी बदल चुका है। पहले मानसून की वर्षा की घरिमझिम हफ्ता–हफ्ता चलती रहती थी लेकिन अब वर्षा एक–दो घंटे में ही उथल–पुथल मचा देती है। कई शहरों में कुछ घंटे की वर्षा से ही तलाब जैसे दृश्य पैदा हो जाते हैं। अब जलवायु का अनुमान लगाना कठिन नहीं है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रकृति की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए। संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत कृषि राज्य काध विषय है और मौसम की चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य सरकारों को पहले से कहीं अधिक चुस्ती से काम लेना होगा। भौगोलिक विविधता के कारण देश के अलग–अलग हिस्सों में जलवायु परिवर्तन के असर भी अलग–अलग होते हैं। राज्य सरकारों को इसके आधार पर ऐसी रणनीति तैयार करनी चाहिए ताक नुक्सान से बचा जा सके। कृषि क्षेत्र के लाभ सुनिश्चित करने के घलिए तकनीक के इस्तेमाल की बड़ी भूमिका है। बेहतर यही होगा कि मौसम का आंकलन कर तकनीक का सहारा लिया जाए। मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है। मौसम अनुकूल रहेगा तो व्यापार भी संतुलित होगा। उम्मीद है कि मानसून नई ऊर्जा और नई उम्मीदों का संचार करे।**–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे–संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी–नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे–संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु :– नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

विदेशों में बेबाकी से भारत का पक्ष और मोदी

पीएम मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल में जितनी विदेश यात्राए की है उतनी शायद किसी प्रधानमंत्री ने इतने समय में विदेश यात्राए की होगी। बहरहाल हाल में उनकी जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया के दौरे और वहॉ के राष्ट्राध्यक्षों के समक्ष रखे गए भारत के पक्ष इस बॉत का संकेत है कि भारत की वैश्विक शाख तेजी से बढ़ी है। आस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष के समक्ष खालिस्तान और मंदिरों पर हमले को लेकर प्रधानमंत्री की बेबाक टिप्पणी इस बॉत का संकेत है कि भारत अब पहले जैसा नही रहा।पीएम मोदी की इस यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और अधिक मजबूत हुए हैं। चीनी आक्रामकता को रोकने की रणनीति से लेकर खालिस्तान मुद्दे पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत की चिंताओं पर संवेदनशीलता दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया यात्रा में चमक–दमक और उत्सव का तत्व जितना महत्वपूर्ण रहा, उतना ही जोर द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती लाने पर भी दिखा। वहां भारतीय मूल के लोगों के भव्य कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज और उनके सहयोगियों के साथ विपक्ष के नेताओं की मौजूदगी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि दोनों देशों के रिश्ते सरकारों के स्तर से आगे बढ़कर आम लोगों के स्तर तक पहुंच चुके हैं और दिनों–दिन मजबूत होते जा रहे हैं।इसी तथ्य को पीएम मोदी ने क्रिकेट की भाषा में व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के रिश्ते टी–20 मोड में पहुंच चुके हैं। उनकी यह यात्रा क्वॉड देशों की बैठक के मद्देनजर आयोजित हुई थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आने का कार्यक्रम अचानक रद्द होने की वजह से वह मीटिंग हिरोशिमा में ही कर ली गई। ऐसे में पीएम मोदी की यात्रा भी टाली जा सकती थी, लेकिन संबंधों में आती मजबूती का ही एक और उदाहरण कहिए कि बहुपक्षीय से द्विपक्षीय में तब्दील होने के बाद भी दोनों में से किसी भी देश ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा की अहमियत कम नहीं होने दी। इससे पूर्व अमेरिका, रूस और चीन के अलावा ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली के प्रमुखों के साथ मोदी सरकार की मुलाकात के साथ ही व्यस्त कूटनीतिक अभ्यास शुरू हो गया है। सबसे खास बॉत यह कि पिछले एक साल में मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज अलग–अलग मंचों और मौकों पर छह बार मिल चुके हैं। उनके बीच विकसित हुई पर्सनल केमिस्ट्री का असर न केवल उनकी गर्मजोशी और उनके बॉडी लैंग्वेज में दिखता है बल्कि इस यात्रा के दौरान हुए अहम समझौतों और आगे के समझौतों के लिए बनी सहमति पर भी नजर आता है। बुधवार को दोनों नेताओं ने माइग्रेशन और मोबिलिटी पार्टनरशिप पैक्ट पर दस्तखत

किए, जिसका मकसद स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स और बिजनेसपर्सस को नए अवसर मुहैया कराने के साथ ही अवैध माइग्रेशन पर रोक लगाना है। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन टास्कफोर्स बनाने पर हुई सहमति के साथ ही कॉम्प्रिहेंसिव इकॉनमिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट (सीईसीए) को साल के अंत तक अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता भी काबिले गौर है। सीईसीए पर अगले दो दौर की बातचीत जून और जुलाई में ही होनी है।प्रधानमंत्री का यह कहना कि भारत अपने आंतरिक मामलों में किसी अन्य देश की आपत्ति सहन करने को तैयार नहीं। हालाकि श्रीनगर में जी–20 से जुड़े आयोजन को लेकर पाकिस्तान के साथ ही चीन ने भी आपत्ति जताई थी, लेकिन भारत ने उसकी न केवल अनदेखी की, बल्कि इन दोनों देशों को दो टूक जवाब भी दिया। ऐसा करना आवश्यक था, क्योंकि भारत को अपने किसी भी भूभाग में हर तरह के आयोजन करने का अधिकार है– वे चाहे अंतरराष्ट्रीय स्तर के ही क्यों न हों। चीन कश्मीर के मामले में अपनी फजीहत पहले भी करा चुका है। उसने पाकिस्तानी आतंकियों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से प्रतिबंधित करने की पहल में हर बार अड़ंगा लगाया, लेकिन कई मौकों पर उसे मुंह की खानी पड़ी। चीन अपनी हरकतों से यही बता रहा कि आतंकवाद के मामले में उसकी कथनी–करनी में अंतर है। यह अंतर दुनिया भी देख रही है, लेकिन चीन सही रास्ते पर आने को तैयार नहीं। उसने अरुणाचल प्रदेश में भी जी–20 की एक बैठक का बहिष्कार किया था, लेकिन भारत अपने निर्णय पर अडिग रहा। उसे आगे भी न केवल ऐसा करना चाहिए, बल्कि चीन को उसी की भाषा में जवाब देना चाहिए। भारत को उसके समक्ष यह साफ करना भी आवश्यक है कि तिब्बत और हांगकांग उसकी दुखती रग हैं। यह अच्छा हुआ कि भारत सरकार ने श्रीनगर में जी–20 से जुड़े आयोजन को भव्य रूप देने में कोई कसर नहीं उठा रखी। इस आयोजन के माध्यम से दुनिया को बदलते हुए जम्मू–कश्मीर को देखने का अवसर मिलेगा। इसी के साथ उसे विश्व मंचों पर भारत की बढ़ती ताकत का भी आभास होगा। वह सभी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिस तरह विश्व समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है, उससे यही पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका बढ़ रही है। इसका एक प्रमाण अभी हाल में हिरोशिमा में जी–7 की बैठक में ,पापुआ न्यू गिनी, जापानी और आस्ट्रेलिया के दौरे में भारतीय प्रधानमंत्री विदेशी मीडिया में छाए रहे।वैसे यूक्रेन युद्ध और उसमें रूस की भूमिका पर दोनों देशों में गंभीर मतभेद भी हैं, लेकिन चीन की बढ़ती आक्रामकता से निपटने की साझा रणनीति में इन मतभेदों को आड़े नहीं आने दिया जा रहा। बहरहाल, ताजा यात्रा की बात करें तो इन तमाम पहलुओं पर भारी पड़ा ऑस्ट्रेलिया में हाल के दिनों में मंदिरों पर हुए हमलों और खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों का मसला। अच्छी बात यह रही कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत की चिंता को लेकर संवेदनशीलता दिखाई। फिर भी दीर्घकालिक नजरिए से देखा जाए तो देश की एकता और अखंडता से जुड़े मसलों की गंभीरता तो निर्विवाद है, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के आपसी विवादों से जुड़े मसलों को भारतीय कूटनीति के केंद्र में लाना कितना जरूरी और कितना फायदेमंद है, इस पर और विचार किए जाने की जरूरत है। क्या यह उपलब्धि नही कि जम्मू–कश्मीर से संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद कश्मीर घाटी में पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। अनुच्छेद 370 को आधार बनाकर पाकिस्तान दुष्प्रचार कर रहा है जबकि चीन ने जम्मू–कश्मीर को ‘विवादित क्षेत्रश् बताकर सम्मेलन का बहिष्कार करने की घोषणा की है। लेकिन चीन और पाकिस्तान की इस साजिश को दरकिनार करके अमेरिकॉ ब्रिटेनॉ रूस जैसे 17 शक्तिशाली सदस्य देशों समेत 122 प्रतिनिधि सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि चीन की बहिष्कार करने की घोषणा प्रभावहीन हो गईहै। जम्मू–कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताना चीन की तुष्टीकरण की नीति का हिस्सा है जिसके तहत वह पाकिस्तान को हर हालत में खुश रखना चाहता है। भारत सरकार ने स्पष्ट तौर पर संसद में घोषणा की है कि जम्मूदृकश्मीर और लद्दाख का पूरा केंद्रशासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। दूसरी ओर चीन में 1949 में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनी और उसके तुरंत बाद ही उसने पड़घेसी देशों की भूमि पर कब्जा करने की साजिश शुरू कर दी थी। उसकी फाइव फिंगर की विवादित नीति है। इसके तहत वह तिब्बत के बाद लद्दाखॉ नेपालॉ सिक्किमॉ भूटान और अरुणाचल प्रदेश पर कब्जा करना चाहता है। यह कम हास्यास्पद नहीं है कि चीन जम्मू–कश्मीर को विवादित क्षेत्रबताता है और स्वयं पड़घेसी देशों की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया है। फरवरीॉ 2022में विदेश राज्य मंत्री ने लोक सभा में एक सवाल के लिखित जवाब में जानकारी दी थी कि चीन ने भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में करीब 38 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रपर कब्जा कर रखा है। लद्दाख में चीन का कब्जा करीब छह दशक से है। इसके अलावॉ पाकिस्तान ने 1963 के तथाकथित चीनदृपाकिस्तान सीमा समझौते के तहत अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का 5180 वर्ग किमी. का क्षेत्रचीन को सौंप दिया है। हालांकि भारत ने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी है। कश्मीर घाटी में जी–20 पर्यटन कार्यसमूह की बैठक में 17 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने से साबित हो गया है कि जम्मूदृकश्मीर को अंतरराष्ट्रीय बिरादरी भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्से के रूप में मान्यता देती है। श्रीनगर का जी–20 पर्यटन कार्यसमूह सम्मेलन स्थल के रूप में चयन करना भारत की कूटनीतिक सफलता है। ऐसे में विदेशी यात्राओं के बाद अगर भारत की उपलब्धियॉ खोजने की जगह केवल आलोचनाओं पर ही गौर किया जाए तो इसे विपक्ष की हताशा के अलावा और कुछ नही कहा जा सकता।–**प्रेम शर्मा**

सभासद विकास सिंह को विक्की को नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर स्वागत करते कांग्रेसी

निकाय चुनाव के अगले मिशन की तैयारी में जुटी कांग्रेस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या। नगर निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद राजनीतिक पार्टियां अब अपने अगले मिशन पर जुट गई हैं। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अपने संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया। इसी के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने भी अपने संगठन चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए जिले में कई नई नियुक्तियां की है। जिसमें कुमारगंज नगर पंचायत कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नवनिर्वाचित सभासद विकास सिंह 'विक्की' को नियुक्त किया है। अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर श्री सिंह का जिले एवं क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया, जिसमें कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष शिवपूजन पाण्डेय, नगर पंचायत चुनाव के समय प्रभारी रहे दिनेश कुमार शुक्ला, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संजय तिवारी, कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रदेश संयोजक शैलेन्द्र पाण्डेय, कांग्रेस छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश शुक्ला, बघौड़ा सहकारी समिति के सभापति विजय सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। अपनी नियुक्ति पर श्री विकास सिंह ने पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री, जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव और दिनेश शुक्ला का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ मुझे ये जिम्मेदारी सौंपी है उस पर मैं पूर्णतया खरा उतरूंगा और लोकसभा चुनाव में अपनी नगर पंचायत के हर वार्डों में कांग्रेस पार्टी को जिताकर डॉ. निर्मल खत्री जी को पुनः सांसद बनाने में अपनी भूमिका निभाऊंगा। गौरतलब है कि पूरे जनपद में अकेले नगर पंचायत कुमारगंज ही ऐसी है जहां कांग्रेस पार्टी तीन वार्डों में अपने सभासद जिताने में सफल रही है इसके अलावा पार्टी का कहीं खाता भी नहीं खुला। श्री सिंह को बधाई देते चुनाव प्रभारी रहे दिनेश शुक्ला ने कहा कि "जिस तरह नगर पंचायत के चुनाव में कांग्रेस के सभी नेताओं ने आपसी सामंजस्य और एकजुटता के साथ पूरी मजबूती से चुनाव लड़कर तीन सभासद जिताएं है उसी तरह आगामी लोकसभा चुनाव में भी हम सब पार्टी का परचम लहराने में अपनी भूमिका निभाएंगे। "इस मौके पर कुंवर प्रतीक सिंह 'पीयूष' समेत दर्जनों कांग्रेसी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

छात्रा की हत्या में नामजद आरोपियों के गिफ्तारी की मांग

अयोध्या। वामपंथी दलों का प्रतिनिधि मंडल सनवीम स्कूल द्वारा पीड़ित परिवार से उनके आवास पर मिला। प्रतिनिधि मंडल ने आरोप लगाया कि छात्रा की हत्या सुनियोजित तरीके से की गई है। घटना इस बात की तरफ इशारा करती है कि विद्यालय प्रबंधन इस तरह की घटनाओं को पूर्व में भी अंजाम देता रहा है। घटना इस बात को भी पुष्ट करतीं हैं कि विद्यालय प्रबंधन अपने अपराधों पर पर्दा में कामयाब होता रहा है। भाकपा नेता सूर्य कांत पाण्डेय, भाकपा माले प्रभारी अतीक अहमद, रामजी राम यादव, रामसिंह, अमर यादव, सुग्रीव यादव के प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि जनपद में इस घटना से अपने बच्चों को स्कूलों में असुरक्षित महसूस कर रहा है। नेताओं ने आरोप लगाया कि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के वावजूद गिरफ्तारी न होने से प्रशासन अपराधियो को सबूत मिटाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। वामदलों के नेताओं ने कहा कि यह घटना साबित करती है कि सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सरकार का प्रशासन और अपराधियो के गठजोड़ पर नियंत्रण नहीं है।

समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण को लेकर हुई बैठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। आगामी 09 एवं 10 जून को समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण शिविर की तैयारी के लिए रविवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर विधानसभा क्षेत्र 146, सीतापुर सदर के सभी बूथ अध्यक्षों, बूथ लेवल कार्यकर्ताओं सहित सभी प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सीतापुर सदर से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक एवं निवर्तमान नगरपालिका चेयरमैन राधेश्याम जायसवाल मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इकबाल अंसारी ने कहा कि अपने जनपद के नैमिष में 9 व 10 जून को लगने वाला प्रशिक्षण शिविर अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ किरणमय नंदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, रामगोपाल यादव राष्ट्रीय महासचिव सहित समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के सभी प्रमुख नेतागण आ रहे हैं, जिनके द्वारा प्रशिक्षण शिविर में प्रत्येक पदाधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में पार्टी के बिखरे हुए लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा केंद्र व प्रदेश में वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण इस समय बढ़ती महंगाई बेरोजगारी, असुरक्षा, असहिष्णुता, धार्मिक भेदभाव, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध सहित तमाम मुद्दों को लेते हुए उनको जनता के बीच जाकर उनको आगामी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकने तथा ज्यादा से ज्यादा समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने हेतु संकल्प कराया जाएगा। इस अवसर पर उपरोक्त बैठक में प्रमुख रूप से रूपेंद्र कुमार पाल बीडीसी, नरेंद्र मोहन, रफीक मिस्त्री, योगेंद्र तिवारी, पप्पू, मोहम्मद फहीम घोसी ओंकार भार्गव, अनिल कुमार मौर्य, चंद्रपाल भार्गव, राधेश्याम भार्गव, अड्डू सभासद मोहम्मद जावेद रोहित यादव अजय निषाद अजय कुमार श्रीवास्तव आदर्श विश्वकर्मा मोहम्मद बिलाल अंसारी जाहिद अली बड़े नूरूलहक खान मोहम्मद सलीम होंडा सोहन सिंह नेगी अभिषेक मिश्रा महबूब आलम रमेश चंद्र कनौजिया रामअवतार भोजवाल इस्माइल गोविंद मिश्रा सचिन मिश्रा शिव नारायण निषाद शिवा चित्रसेन उर्फ मल्हू जगदीश लोधी कोटेदार आकाश श्रीवास्तव राजेश वर्मा राजेंद्र यादव रामखेलावन शुक्ला बब्बू खां पूर्व नगर अध्यक्ष अजय निषाद आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरे

गाजियाबाद एवं लखनऊ के चुनिंदा मार्गो पर इलेक्ट्रिक बसें चलाएगा परिवहन निगम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया है कि परिवहन निगम की लखनऊ एवं गाजियाबाद में कुछ चुनिंदा मार्गों पर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में यह बसें पायलट तौर पर चलायी जाएंगी,फिर इसे प्रदेश के अन्य जनपदों में आगे चलाया जाएगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि शीघ्र ही प्रदेश के लोगों को बेहतरीन एवं सस्ती परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि अभी तक ए०सी०बसों के लिए 2'2 सीटिंग अरेंजमेंट बसों की स्वीकृति थी परंतु अब 3' 2 सीटिंग अरेंजमेंट बस सेवा को नवीन अनुबंधित बस योजना के अंतर्गत अनुबंध किए जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि 3'2 सीटिंग कैपेसिटी वाली बसों का किराया 1 रुपए 63 पैसे प्रति किलोमीटर आएगा,जबकि 2 '2 सीटिंग अरेंजमेंट बसों का किराया 1.93 पैसे प्रति किमी आता है। इससे प्रति किमी कुल 30 पैसे का अंतर आएगा और लोगों को सस्ती ए०सी० बस सेवा उपलब्ध हो सकेगी। परिवहन मंत्री ने बताया कि साधारण एवं ए०सी० बस मिलाकर कुल 1235 बसों को लेटर आफ इंटेंट जारी किया जा चुका है,जिसमें से 770 बसों ने क्षेत्रों में संचालन प्रारंभ भी कर दिया है।

घर में फंदे से लटकता मिला छात्र का शव

बीकापुर–अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीएससी एग्रीकल्चर के एक छात्र का शव घर में फंदे से लटका पाया गया है। पुलिस ने फारेंसिक टीम को बुलाते हुए मृतक छात्र का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। मृतक झुनझुनवाला डिग्री कालेज का छात्र बताया जा रहा है। कोतवाली पुलिस के अनुसार क्षेत्र के तेंदुआ माफी में रहने वाले दिव्यांशु पुत्र अनिल कुमार 24 वर्षीय बीएससी एजी के छात्र का शव शनिवार रात संदिग्ध अवस्था में घर के अंदर छत के पंखे से गमछे के सहारे लटकता मिला। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार राय द्वारा जांच पड़ताल शुरू की गई। उन्होंने बताया कि दिव्यांशु पुत्र अनिल कुमार की मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है। छात्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। कोतवाल ने बताया कि पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। मृतक युवक के मोबाइल को कब्जे में लिया गया है। काल डिटेल खंगाली जा रही है। परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अयोध्या। रौनाही थाना अंतर्गत ग्राम बरसेंडी के निकट अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 48 वर्षीय राम सागर पुत्र बचई निवासी ग्राम पिलखावां बीती रात लगभग 1:00 बजे बाइक से घर को लौट रहा था कि बरसेंडी के निकट किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारकर घायल कर दिया घायल को कांस्टेबल अश्वनी मिश्रा द्वारा नेशनल हाईवे एंबुलेंस के जरिए रात्रि 2:10 पर जिला चिकित्सालय लाया गया जहां इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डॉक्टर ने परीक्षण कर मृतक घोषित करते हुए शव को मोर्चरी में रखवा कर पोस्टमार्टम हेतु कोतवाली नगर पुलिस मेमो भेज दिया गया है।

शराब पीकर सीएचसी पर डा0 आनंद करते हैं मरीजों से अभद्रता

परसेण्डी (सीतापुर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी में डॉक्टर आनंद सिंह के द्वारा मरीजों पर अभद्रता व उत्पीड़न किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत राही की बाल विकास विभाग की सहायिका रामदेवी की तबीयत अचानक खराब हो गई। तेज बुखार उल्टी दस्त कालरा से ग्रसित होकर सीएचसी पहुंची। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसेंडी जाने पर डॉक्टर आनन्द के द्वारा ना तो मरीज को देखा गया ना हुई कोई इलाज किया गया। डॉ आनंद सिंह की घोर लापरवाही है। आए दिन डॉक्टर आनंद सिंह के द्वारा दारू पीकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के साथ अभद्रता करके लापरवाही में सम्मिलित रहते हैं। इसी प्रकार रामदेवी मरीज, शिवपूजन लाल त्रिवेदी होमगार्ड परसेंडी के साथ डॉक्टर आनंद सिंह ने अभद्रता की थी और उनके द्वारा इलाज नहीं किया गया। वहीं मरीजों को जिला अस्पताल रेफर भी नहीं किया। मरीजों से जबरदस्ती धमकी देकर साइन करवा लिया जाता है बाद में डॉक्टर के द्वारा कहा जाता है यहां से सब लोग घर जाओ हम यहां कोई इलाज नहीं करेंगे। मरीज के द्वारा जब कहा जाता है कि या तो रिफर करो तो वह जिला अस्पताल रेफर भी नहीं करते हैं। डॉक्टर के इस रवैया से परसेंडी ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम राही कैहमारा, वजीरपुर, नेवादा, तालगांव, जानीपुर, हिलालपुर, कसरैला आदि ग्रामीणों में डॉक्टर के खिलाफ सही इलाज ना होने पर रोष व्याप्त है। वहीं पीड़ित लोगों ने यह भी बताया है कि डाक्टर के द्वारा की गई अभद्रता की जानकारी उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से लखनऊ मुलाकात कर इस प्रकरण से अवगत करायेंगे।

दो दिन से लापता युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला

कानपुर। घाटमपुर में रविवार सुबह एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को घटना की सूचना दी। घटना होम सिग्नल के अंदर की होने के चलते जीआरपी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही घटना पर पहुंचे युवक के पिता ने अज्ञात पर हत्या का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने युवक के शिनाख्त कराने की कोशिश की, तो युवक की पहचान कानपुर के योगेंद्र विहार नौबस्ता निवासी मनीष उर्फ गोरे के रूप में हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई मिशन कायाकल्प की बैठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मिशन कायाकल्प के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने एडीओ पंचायत भरावन के अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए कार्ययोजना के अनुरूप कार्य किया जाए। टायलीकरण का अवशेष कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। पिछले माह से विशेष प्रगति न कर पाने वाले विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारियों व एबीएसए को फटकार लगायी। उन्होंने कहा कि एक माह के अंदर सभी विद्यालयों में दिव्यांग शौचालयों का निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण सुनिश्चित न करने वाले बीडीओ व एबीएसए की जवाबदेही तय की जायेगीं। खराब प्रगति को लेकर बीडीओ भरावन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। विद्यालयों में फर्नीचर की व्यवस्था के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किये जायें। सभी जर्जर विद्यालय भवनों के ध्वस्तीकरण का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सांडी में खराब प्रगति पर खण्ड शिक्षा अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। सभी अवशेष विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। पाठ्य पुस्तक वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि 30 जून तक शत–प्रतिशत पाठ्य पुस्तक वितरण सुनिश्चित किया जाए। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में मानक अनुरूप सभी व्यवस्थाएं जल्द सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, बेसिक शिक्षा अधिकारी विनीता सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चोरों ने नकदी समेत चुराए जेवरात

सीतापुर। बिसवां कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जोगीपुर में बीते शनिवार की रात को बेखौफ चोरों ने मकान की दीवार काटकर चोरी को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र प्रकाश पुत्र बनवारी लाल अपने परिवार सहित घर में अंदर कमरे में सो रहे थे। रात में लगभग 02 बजे चोरों ने दीवाल काटकर घर स्वामी के बड़े बेटे के कमरे से अलमारी उठा ले गए जिसमें जेवरात व नकदी थी। बेटा कहीं बाहर गया हुआ था। बेटे की शादी एक वर्ष पूर्व की हुई थी। घर स्वामी के बेटे योगेंद्र ने बताया कि चोर कमरे की दीवार काटकर अंदर आए और अलमारी उठा ले गए जो निकट के बाग में मिली। जिसमें सारा सामान गायब था। साथ ही अन्य बक्से भी खुले थे। सामान इधर–उधर बिखरा हुआ पड़ा था। पीड़ित ने कोतवाली में चोरी की तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि चोरी की घटना की जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

हज यात्रियों व उनके परिजनों की सुविधार्थ "इण्डियन हाजी इंफारमेशन सिस्टम" जारी

लखनऊ। हज 2023 हेतु लखनऊ उड़ान स्थल से सत्रहवीं उड़ान संख्या एस०वी० 3897 28 मई को 296 हज यात्रियों को लेकर सकुशल अपने निर्धारित समय दिन में 12:20 बजे चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गयी। इस उड़ान से 171 पुरुष व 125 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक शाहजहाँपुर जिले के 160. फर्रुखाबाद 72 व बांदा के 52 हज यात्री गये हैं। अठ्ठारहवीं उड़ान संख्या एस०वी० 3895 दिनांक 28.05.2023 को 286 हज यात्रियों को लेकर सकुशल अपने निर्धारित समय अपराह्न 03:05 बजे रवाना हो गयी। इस उड़ान से 159 पुरुष व 127 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक बस्ती जिले के 108, प्रतापगढ़ के 96 व इटावा के 38 हज यात्री गये हैं। इस उड़ान से एक खादिमुल हुज्जाज मोहम्मद अहमद लखनऊ के हज यात्रियों के सुविधार्थ गये हैं। अब तक लखनऊ से 5270 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके । दिल्ली उड़ान स्थल से आज दिनांक 28 मई को उड़ान संख्या एस0वी03783 से उत्तर प्रदेश के 322 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 172 पुरुष व 150 महिलाएं हैं, सबसे अधिक 308 हज यात्री मुरादाबाद जिले के गए। दिल्ली से उड़ान संख्या एस0वी03889 से 201 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 107 पुरुष व 94 महिलाएं रवाना हुए, सबसे अधिक 199 हज यात्री मुरादाबाद जिले के गए। उड़ान संख्या एस0वी03761 से 349 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 183 पुरुष व 166 महिलाएं व सबसे अधिक रामपुर जिले के 255 व मुरादाबाद जिले के 92 हज यात्री गए। अब तक उत्तर प्रदेश के दिल्ली से 6836 हज यात्री व उत्तर प्रदेश के अब तक कुल 12106 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। हज यात्रियों व उनके परिजनों को सूचित किया जाता है कि भारतीय कॉस्लावास जद्दाह द्वारा हज यात्रियों व उनके परिजनों की सुविधार्थ एक मोबाइल एप "इण्डियन हाजी इंफारमेशन सिस्टम" जारी किया है। जो गूगल उपलब्ध है।

खड़े ट्रक से टकराई अनियंत्रित कार,एक की मौत,चार लोग घायल

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बिधनू सीएचसी पहुंचाया। जहां से चारों घायलों को प्राथमिक इलाज करने के बाद हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हमीरपुर के वीरपुर गांव निवासी अरविंद ने बताया कि रविवार को वह अपने पिता श्याम सुंदर का इलाज कराने लखनऊ जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी अनीता,मां अशोक रानी सवार थी। उनके साथ कार चालक ललित कार चला रहा था। जैसे ही कार बिधनू थाना क्षेत्र के माधवबाग बाजार के पास पहुंचे तभी अचानक कार अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खड़े ट्रक में टकरा गई। हादसे में कार सवार बुजुर्ग श्याम सुन्दर की मौत हो गई। वहीं कार सवार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

भाजपा सरकार ने बढ़ाई जनता की दिक्कतें- अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता की परेशानियों और दिक्कतों को बढ़ाया है। उसको जनता की तकलीफों की जरा भी परवाह नहीं है। भाजपा सरकार की नीतियां ही सारी समस्याओं की जड़ हैं। भाजपा चकाचौंध की राजनीति से जनता को धोखा दे रही है। भाजपा संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। समाजवादी पार्टी एकजुट होकर पूरी ताकत से संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्षरत है। अखिलेश यादव आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने चेताया कि भाजपा समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने की रणनीति पर काम कर रही है। समाजवादी पार्टी के नेताओं पर झूठे मुकदमें लगाए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारियां की जा रही है तथा डराने धमकाने की कोशिश की जाती है। भाजपा की चालाकियों से जनता को गुमराह होने से बचाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा जातीय वैमनस्य पैदा करती है। नफरत से समाज को बांटती है। उसकी नीतियां पूंजीपतियों की पोषक हैं। गरीब और मध्य वर्ग को भाजपा समाप्त करने पर तुली है। जनता को सामान्य नागरिक सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है। किसान, नौजवान, व्यापारी सभी भाजपा सरकार की कुनीतियों से तंग है और जल्दी से जल्दी निताज पाना चाहते हैं।

जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ। प्रदेश के समस्त जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, गोमतीनगर लखनऊ में सम्पन्न हुआ। न्यायमूर्ति आलोक माथुर, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, लखनऊ खंडपीठ द्वारा मध्यस्थता विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मध्यस्थता के लिए अधिकाधिक मामलों को संदर्भित करने और वैकल्पिक समाधान द्वारा विवादों का निस्तारण कराने पर बल दिया गया। इसी विषय पर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव दिनेश पी0 सुराना द्वारा मध्यस्थता की प्रक्रिया और हितधारकों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। वैकल्पिक विवाद समाधान के अन्तर्गत लोक अदालतों के माध्यम से न्यायालयों में लंबित वादों तथा प्री लिटिगेशन वादों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे गौरव श्रीवास्तव, जिला जज अयोध्या एवं रजत सिंह जैन जिला जज मेरठ द्वारा विस्तार से चर्चा की गयी एवं विगत राष्ट्रीय लोक अदालत में उ0प्र0 राज्य द्वारा सम्पूर्ण भारतवर्ष में सर्वाधिक मामलों के निस्तारण की उपलब्धि को रेखांकित किया गया। इसी संदर्भ में जया प्रियदर्शनी, सिविल जज द्वारा ई चलानो के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। संतोष कुमार, सदस्य सचिव, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अपने सम्बोधन में लीगल एड क्लीनिक के प्रभावी पर्यवेक्षण, विधि के छात्र व छात्राओं को अधिक से अधिक परावैधिक स्वयं सेवकों के रूप में उनकी सेवाओं का उपयोग तथा एक गॉव को चिन्हित करते हुए उसे वाद विहीन करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस बार पर भी बल दिया गया कि जेलों में स्थापित लीगल एड क्लीनिक को अत्यधिक गतिशील बनाया जाना चाहिए और ई–प्रिजन पोर्टल पर बंदियों की अद्यतन जानकारी अपलोड की जानी चाहिए। समापन दिवस के अंतिम सत्र में जनपद न्यायाधीश, प्रतापगढ़ द्वारा सर्वाइकल कैंसर पर अपने सम्बोधन में बताया गया कि भारत की महिलाओं में होने वाले सबसे आम कैंसर सर्वाइकल कैंसर है। सर्वाइकल कैंसर का बचाव और इलाज दोनों ही हो सकता है।

लेकिन इसके प्रति महिलाओं में जाकरूकता कम होने की वजह से, डाक्टर्स को सही समय पर जानकारी नही मिल पाती और इलाज मिल पाना मुश्किल हो जाता है। और शिविरों के माध्यम से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने की जरूरत होगी जिससे लड़कियों तथा उनके अभिभावकों को सर्वाइकल कैंसर की जानकारी हो सके। डा0 नीतू सिंह, डा0 राजीव मिश्रा एवं डा0 मंजूलता वर्माद्वारा बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर को एच0पी0वी0 वैक्सीनेशन और आधुनिक स्क्रीनिंग टेक्नोलाजी का प्रयोग करके रोका जा सकता है।

गन्ना सर्वे कार्य का निरीक्षण करते रौजागांव चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक व अन्य

गन्ना किसानों की समस्याओं हर हाल में कराएंगे निराकरण : हरदयाल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या। सहकारी गन्ना विकास समिति मसौधा की ओर से रौजा गांव चीनी मिल के लिए आरक्षित क्षेत्र के क्रय केंद्र कुमारगंज अंतर्गत राजस्व गांव मसेढ़ा में चल रहे गन्ना सर्वे कार्य का चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक हरदयाल सिंह द्वारा औचक निरीक्षण किया गया इसके साथ ही वह उक्त गांव में गन्ना किसानों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। सहकारी गन्ना विकास समिति मसौधा के डायरेक्टर चंद्रेश सिंह ने चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक से गन्ना किसानों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए मिल्कीपुर क्षेत्र स्थित गन्ना कॉल करें केंद्रों से किसानों के गन्ने की ढुलाई में लगे ट्रैक्टर ट्रालों को विशेष प्राथमिकता के आधार पर चीनी मिल में खाली कराए जाने की मांग की। उन्होंने किसानों को अनवरत इंडेंट देकर गन्ना आपूर्ति पर्ची भी उपलब्ध कराए जाने पर चर्चा की। मौजूद प्रगतिशील गन्ना कृषकों को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक गन्ना हरदयाल सिंह ने किसानों की हर समस्याओं का निराकरण कराए जाने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि गन्ना कृषकों को चीनी मिल प्रबंध तंत्र की ओर से किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई कदापि न होने पावे। उन्होंने अमानीगंज से रुदौली को जाने वाली खराब सड़क पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इसको लेकर वह हो जिम्मेदार लोगों से बात भी करेंगे ताकि गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के पहले खराब सड़क की समस्या से गन्ना किसानों को निजात मिल जाए। उन्होंने बताया कि मैं अपना ज्यादा समय गन्ना किसानों के बीच दे रहा हूं और ऑफिस से कामकाज निपटाने के बाद गन्ना कृषको के खेतों पर जाकर स्वयं किसानों से मिलकर उनकी समस्याओं को हल करने की कोशिश कर रहा हूं। इस मौके पर मौजूद गन्ना प्रबंधक विनोद कुमार श्रीवास्तव ने मिल्कीपुर क्षेत्र के गन्ना किसानों की समस्याओं से भी अवगत कराया तथा किसानों के गन्ने की फसलों में लग रही बीमारियों के बारे में भी जानकारी दी जिस पर मुख्य महाप्रबंधक श्री सिंह द्वारा बताया गया कि चीनी मिल की ओर से कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मायके आई महिला की उसके प्रेमी ने हत्या करने के बाद खुद ट्रेन से कटकर दी जान

कानपुर। मामा की तेरहवीं में मायके आई महिला की उसके प्रेमी ने धारदार हथियार से हत्या करने के बाद खुद हैरिसगंज में ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। महिला का ससुराल के पास रहने वाले ई–रिक्शा चालक से करीब तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। महिला अक्सर प्रेमी से बात करती थी इसे लेकर पति व ससुरालीजन ने उसे कई बार समझाया लेकिन वह नहीं मानी। स्वजन की सूचना पर देर रात पति व ससुरालीजनों के साथ पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। एसीपी और नवाबगंज पुलिस,फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची नवाबगंज ख्योरा निवासी बरखा उर्फ वर्षा (31) की शादी 13 साल पहले बिधनू के सकरापुर निवासी इलेक्ट्रीशियन कृष्णकांत सैनी से हुई थी। जिससे दो बेटे मयंक और केशव हैं। बरखा का अपनी ससुराल में कुछ दूरी पर रहने वाले 26 वर्षीय ई–रिक्शा चालक दीपक गुप्ता से तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बरखा अक्सर उससे फोन पर बात करती थी जिसे लेकर पति व ससुरालीजन ने कई बार समझाया लेकिन वह नहीं मानी। बरखा के बड़े बहनोई संतोष सैनी ने बताया कि मामा की तेरहवीं पर वह शनिवार को मायके आई थी। देर रात एक अनजान युवक घर आया और कुछ देर बाद चला गया। देर रात बहन बरखा की बहन कल्पना ने बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो कमरे में जाकर देखा तो वह मृत पड़ी हुई थी और उसके गले में घाव था। इस पर उसने शोर मचाया तो स्वजन ने पति कृष्णकांत व पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी पाकर एसीपी मो.अकमल खान और नवाबगंज पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान बरखा के फोन से कॉल की गई तो जीआरपी सेंट्रल के एक सिपाही ने कॉल रिसीव करके बताया कि दीपक ने हैरिसगंज के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। एसीपी कर्नलगंज मो. अकमल खान ने बताया कि महिला के प्रेमी ने गला रेतकर हत्या की है पति की तहरीर पर उसके प्रेमी दीपक गुप्ता के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कुंभ सिटी को ग्रीन सिटी बनाएगी योगी सरकार की 'निशुल्क वृक्ष योजना'

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। बढ़ते नगरीकरण के दबाव झेल रही कुम्भ नगरी प्रयागराज में हरियाली और प्रदूषण मुक्त वातावरण की वापसी के लिए प्रयागराज स्मार्ट सिटी ने अनोखी योजना शुरू की है। शहर प्रयागराज को ग्रीन सिटी बनाने के लिए प्रयागराज स्मार्ट सिटी की तरफ से निशुल्क वृक्ष योजना शुरू की गई है। इससे जहां एक तरफ वायु प्रदूषण कम होगा तो वहीं शहर का हर कोना हरा भरा नजर आयेगा।

प्रयागराज शहर को ग्रीन सिटी में तब्दील करने के लिए प्रयागराज स्मार्ट सिटी ने निशुल्क वृक्ष योजना की शुरुआत की है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के मैनेजर संजीव कुमार सिन्हा के मुताबिक इस योजना के माध्यम से शहर में हरित पट्टियों के विकास के लिए शहर के नागरिको की सीधे सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। यह योजना सरकारी विभागों द्वारा चलाई जा रहे परम्परागत वृक्षारोपण अभियान से अलग है। नगर निगम, प्रयागराज विकास प्राधिकरण और वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण के लिए जो अभियान चलाये जाते हैं उसमे विभाग ही तय करता है की उसे कहाँ और कौन से वृक्ष रोपित करने हैं। स्थान और वृक्षों की प्रजाति के निर्धारण को लेकर जनता से इसमें राय नहीं ली जाती है जिससे जनता का सरोकार इन वृक्षों के साथ नहीं बन पाता था लेकिन शनि:शुल्क वृक्ष योजनाश में शहर के लोगों से उनकी राय लेकर उन्ही की गलियों, मार्गों और सडकों के किनारे वृक्ष लगाए जायेंगे। इससे शहर की जनता भी सीधे तौर से उससे जुड़ेगी और वही वृक्ष के संरक्षक के तौर पर काम करेगी।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी की तरफ से शुरू गई इस योजना में लगभग ६3 करोड़ रूपये खर्च होंगे. स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के मिशन प्रबंधक बताते हैं कि इस योजना में वृक्ष वन विभाग की तरफ से लगाए जायेंगे। वन विभाग ही वृक्षों के लिए ट्री गार्ड भी उपलब्ध कराएगा। शहर में तकरीबन 5000 ट्री गार्ड इसमें लगाए जायेंगे। शहर में लगे वृक्षों के पुरानी ट्री गार्ड की रिपेयरिंग और रिप्लेसमेंट का काम भी इस योजना के तहत किया जायेगा।

इस योजना में जनता से पूछकर उसकी गली सड़क या घर के सामने पेड़ लगाए जायेंगे। इसके लिए बाकायदा एक कॉल सेण्टर भी स्थापित किया गया है। साथ ही इसके लिए एक टोल फ्री नंबर 1920 भी जारी किया है जिसमे फोन कर शहर का कोई भी नागरिक अपने घर की लोकेशन और अपने पसंद का वृक्ष का नाम तय कर सकता है जिसे वह लगवाना चाहता है। इस तरह बस एक फोन कॉल के जरिये आपके घर के सामने वृक्ष लग जाएगा। पसंद का वृक्ष लगने से लोग अपने अपने पसंदीदा वृक्ष की सुरक्षा और संरक्षा भी स्वयं से करेंगे। एक महीने तक इसके लिए शहर के नागरिकों से उनकी कॉल्स ली जाएंगी।

पुलिस ने तीन वारंटी व दो के कब्जे से 46 क्वार्टर शराब समेत दबोचे

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछितध्वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान थानाध्यक्ष सरधुवा प्रवीण सिंह की अगुवाई में दरोगा अनिल गुप्ता की टीम ने विद्युत अधिनियम के वारंटी भुल्लू यादव पुत्र दयाराम व राजा सिंह पुत्र राजकुमार यादव निवासी नहरा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा अनिल कुमार गुप्ता, सिपाही अरविंद सोनी शामिल रहे।

इसी क्रम में थानाध्यक्ष भरतकूप सुबेदार बिंद की अगुवाई में दरोगा इमरान खान की टीम ने चोरी व माल बरामद मामले में वारंटी लवली उर्फ लवलेश कुमार पुत्र जगतपाल प्रजापति निवासी भैसौध्ा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इमरान खान, सिपाही अजीजुद्दीन शामिल रहे।इसी क्रम में पुलिस अध्ीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने 46 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। मऊ थाने के दरोगा इन्द्रजीत गौतम की टीम ने लवकुश रैदास पुत्र सुकरू निवासी चंदई के कब्जे से 21 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा इन्द्रजीत गौतम, सिपाही दीपप्रताप शामिल रहे।

बिलौंवा में रास्ते पर बह रहा नाबदान का पानी बना जी का जंजाल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रतनपुरा, मऊ । रतनपुरा विकासखंड के बिलौवां ग्राम पंचायत में रास्ते पर बह रहा नाबदान का पानी लोगों के जी का जंजाल बना हुआ है। थोड़ी बारिस होने पर और नारकीय स्थिति हो जाती है। इससे जहां एक तरफ आवागमन में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी तरफ गंदे पानी के बहाव से संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

ग्राम वासियों ने इस से जल्द निजात के लिए संबंधित शासन प्रशासन से गुहार लगाई है नाली की साफ सफाई न होने से पानी सड़क पर बहता है पानी निकासी की किसी संचित व्यवस्था के अभाव में घरों का गंदा पानी रास्ते पर जमा रहता है लोग किसी तरह किनारे से बचके निकलते हैं ऐ स्थिति वर्षों से बनी हुई है गांव के लोग प्रतिदिन इस मार्ग से आवागमन करते हैं परंतु उनका आवागमन दुश्वारियों से भरा हुआ है इस नारकिय स्थिति से निजात पाने के लिए गांव के लोगों ने बताया कि नाली नीचे होने के चलते हमेशा नाबदान का पानी खड़ंजा पर बहता रहता है। बिमलेश, परमा सिंह, राजू, रमेशचंद्र, समेत बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने इस समस्या से निजात के लिए आवाज उठाई है लोगों का कहना है कि अनेक बार शिकायती पत्रों के माध्यम से संबंधित शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया गया और ग्राम प्रध्ाान से भी गुहार लगाई परंतु कहीं भी कोई फरियाद नहीं सुनी गई जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपया खर्च किए जा रहे हैं गांव गांव में सफाई कर्मियों की नियुक्ति है स्वच्छता पर विशेष अभियान चलाकर जोर दिया जा रहा है वही ग्राम पंचायत में गंदे पानी का रास्ते पर जमा होना और गंदे पानी का जमाव शासन की मंशा के विपरीत गंदगी का साम्राज्य दिखाई दे रहा है इससे जहां एक तरफ आवागमन करने वालों को भारी परेशानी होती है खासकर बच्चों को बुजुर्गों और महिलाओं को वहीं दूसरी तरफ इस गंदगी के साम्राज्य से संक्रामक रोगों का भी खतरा बना हुआ है लोगों ने इस समस्या से अभिलंब निजात के लिए संबंधित शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। इस संबंध में एडीओ पंचायत रविंद्र नाथ यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है इसको दिखलाता हूं गंदगी अगर पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक–शिक्षा विभाग में एक दिवसीय विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग की ओर से एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन हुआ व्याख्यान के प्रमुख वक्ता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शिक्षक शिक्षा विभाग, विद्यापीठ के प्रो. दिनेश चहल जी रहे ।

शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए प्रो. चहल जी ने कहा कि आप शिक्षक बनने जा रहे हैं अगर समाज अच्छा है तो उसे बनाने वाले आप हैं और समाज में कुछ विकार है तो उसकी जिम्मेदारी भी आपकी है आपको अच्छे और बुरे दोनों की जिम्मेदारी लेनी होगी तभी आप समाज को नई दिशा दे सकेंगे।

शिक्षक को भाषा, भूषा, भोजन भवन एवं भजन इन पांचों पर अच्छे से काम करने की जरूरत है क्योंकि आज इन पांचों में कुछ न कुछ गिरावट देखी जा रही है । उन्होंने शिक्षक शिक्षा में अनुशासन के महत्व एवं गीता के द्वारा सामान्य जनमानस को कर्मवाद, सतत विकास की प्रक्रिया एवं नवाचार पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। प्रो. चहल ने श्री कृष्ण के कर्मवाद को वास्तविक धरातल पर उतारने एवं प्रशिक्षुओं द्वारा चिन्हित विषय सामग्री को प्रशिक्षण परक करने पर जोर दिया। प्रशिक्षुओं को कौशल विकास पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभाग के प्राध्यापकों को भी प्रेरित किया। विषय प्रवर्तन विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार मिश्र द्वारा किया गया। अतिथि स्वागत जमुनीपुर परिसर के निदेशक डॉ. रमेश मिश्र द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता शिक्षा संकाय डॉ. सब्यसाची जी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राघवेंद्र मालवीय के द्वारा किया गया।

तैराकी प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रयागराज। नवजीवन तैराकी क्लब के तत्वाधान में प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी तैराकी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ है। जिसमें लगभग 150 बालक बालिका महिला एवं पुरुष तैराकी प्रशिक्षण त्रिभुवन निषाद, लिम्का रिकार्ड से सम्मानित मानस निषाद, श्रीमती कमला निषाद व लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित तरुणा निषाद कुशल नेतृत्व में हो रहा है। इसी क्रम में आज दो बच्चों की मां प्रतिभा मोटवानी (अहूजा) उम्र 36 वर्ष निवासी मीरापुर प्रयागराज ने गजब का जोश व साहस का परिचय देते हुए यमुना नदी को 14 मिनट में तैरकर पार किया। साथ लगी नाव पर बैठे लोग तालियां बजाकर प्रतिभा का उत्साहवर्धन करते रहे। कल 29 मई को प्रातः 6:00 बजे वृत्तिका शांडिल्य उम्र 6 साल यमुना नदी को तैरकर अपने साहस का परिचय देगी।

जिलाधिकारी व डीसीपी ने आयोजित सिविल सेवाएं 'प्रारम्भिक' परीक्षा–2023 सम्पन्न कराया

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री व डीसीपी– नगर श्री दीपक भूकर ने संघ लोक आयोग, नई दिल्ली द्वारा आज रविवार को आयोजित हो रही सिविल सेवाएं (प्रारम्भिक) परीक्षा–2023 को आयोग के द्वारा निर्धारित प्रक्रियानुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, सुचितापूर्वक सम्पन्न कराने एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए राजकीय बालिका इंटर कालेज व ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, होली क्रॉस स्कूल के परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण किया संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा के आयोजन के सम्बंध में दिए गए समस्त निर्देशों के अनुसार प्रत्येक कार्यवाही निर्धारित समय एवं प्रक्रिया के अनुसार ही हो के निर्देश संबंधित अधिकारियों व केन्द्र व्यवस्थापकों को देते रहे उन्होंने परीक्षा केन्द्र पर कंट्रोल रूम में बबजअ कैमरा की क्रियाशीलता, प्रकाश, पीने के पानी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की है

शौचालय की टंकी में गिरकर पिता-पुत्र सहित चार की मौत

कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के रामनगर के खपरधिक्का (सरगटिया) गांव में रविवार की सुबह तकरीबन साढे दस बजे शौचालय की टंकी की सफाई कर रहे पिता–पुत्र सहित पांच लोग हादसे के शिकार हो गये। एक ही परिवार के पांच मे चार लोगो की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर है। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला जा सका। घटना की सूचना पर पहुंचे डीएम रमेश रंजन, एसपी धवल जायसवाल ने आवश्यक जानकारी ली और हादसे की जांच कराने की बात कही। मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सभी मृतकों को चार–चार लाख रुपये सहायता राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

जानकारी के अनुसार रामनगर (सरगटिया) गांव के निवासी डॉ. नन्द कुशवाहा के घर में जून माह में शादी थी। इसको लेकर तैयारियां चल रहीं थीं। घर के शौचालय की टंकी की सफाई होनी थी। मजदूरों के आने से पूर्व सुबह नन्द कुशवाहा टंकी का ढक्कन खोल रहे थे। इस बीच अचानक वह टंकी में गिर गए। यह देख उनका 25 वर्षीय बेटा नीतेश कुशवाहा अपने पिता को बचाने गया तो वह भी उसमें गिर गया। पिता–पुत्र के टंकी में गिरने पर परिवार में चीख–पुकार मच गई। शोर–शराबा सुन बगल के घर में मौजूद नंद कुशवाहा के 45 वर्षीय भाई आनंद कुशवाहा, उनके 24 वर्षीय पुत्र दिनेश कुशवाहा व 20 वर्षीय राजकुमार भाग कर टंकी के पास पहुंचे और परिजनो को बचाने के लिए तीनों लोग टंकी मे उतर गये और फिर बाहर नही निकले। इसी दरम्यान मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। टंकी में गिरे लोगों को निकालने का प्रयास शुरू हुआ। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टंकी में गिरे सभी पांच लोगों को बाहर निकाला गया। कुछ देर बाद एसचओ अतुल कुमार श्रीवास्तव पहुंचे। पुलिस की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटवा बाजार ले जाया गया, जहां नंदू, नीतेश, आनंद व दिनेश को चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। जबकि राजकुमार को सांस लेने में तकलीफ होने के वजह से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि नंदू के बड़े बेटे नीतेश की 11 जून को शादी थी। इसे लेकर परिवार में तैयारियां चल रही थीं। घर में रिश्तेदार भी जुट गए थे। परिवार में खुशियों का माहौल था। सबकुछ ठीक चल रहा था कि अचानक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। घटनास्थल पर पहुंचे सीएमओ सुरेश पटारिया ने बताया कि जहरीली गैस के चलते दम घुटने से सभी की मृत्यु हुई है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का कारण पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगा। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ को जब इस घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुचकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीएम ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सभी मृतकों को चार–चार लाख रुपये सहयोग राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। मौके पर जिलाधिकारी रमेश रंजन, पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल, एसडीएम महात्मा सिंह के अलावा पडरौना नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनय जायसवाल मौके पर पहुंचकर घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतक परिवार से मिलकर सांत्वना दी।

संक्षिप्त खबरे

थाना थरवई पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 05 अवैध देशी बम बरामद

प्रयागराज। थाना थरवई पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त महेन्द्र भारतीय पुत्र फतेहचन्द्र उर्फ विरेन्द्र भारतीया निवासी मलाका मय भैसाही थाना थरवई जनपद प्रयागराज को मनसैता नदी पुल के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 05 अवैध देशी बम बरामद किये गये। उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के आधार पर थाना थरवई में मु0अ0सं0 146/2023 धारा 4ध्5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत किया गया नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–महेन्द्र भारतीया पुत्र फतेहचन्द्र उर्फ विरेन्द्र भारतीया निवासी मलाका मय भैसांही थाना थरवई प्रयागराज बरामदगी– 05 अवैध देशी बम आपराधिक इतिहास –1.मु0अ0स0–315/2015 धारा –392/411 भादंवि0 थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 2.मु0अ0स0–569/2021धारा–307 भादंवि0 थाना कर्नलगंज कमिश्नेट प्रयागराज 3.मु0अ0स0–570/2021धारा–3/25 आयुध अधिनियम थाना कर्नलगंज कमिश्नरेट प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 बृजेश कुमार थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज प्रयागराज 2.हे0का0 हंसलाल थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 3.हे0का0 नैमुद्दीन खां थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज

थाना थरवई पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 07 अवैध देशी बम बरामद

प्रयागराज। थाना थरवई पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्तों सुभाष भारतीया उर्फ जग्गा पुत्र राधेश्याम भारतीया निवासी ग्राम भिदिउरा थाना थरवई जनपद प्रयागराज व अभिषेक साहू पुत्र मदन लाल साहू निवासी ग्राम आदमपुर उपरौडा थाना थरवई जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर कब्जे से 07 अवैध देशी बम बरामद किये गये। उक्त गिरफ्तारीध्बरामदगी के आधार पर थाना थरवई में मु0अ0सं0 147/2023 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–1.सुभाष भारतीया उर्फ जग्गा पुत्र राधेश्याम भारतीया निवासी ग्राम भिदिउरा थाना थरवई जनपद प्रयागराज 2.अभिषेक साहू पुत्र मदन लाल साहू निवासी ग्राम आदमपुर उपरौडा थाना थरवई जनपद प्रयागराज बरामदगी– 07 अवैध देशी बम अपराधिक इतिहास – सुभाष भारतीया उर्फ जग्गा पुत्र राधेश्याम भारतीया– 1.मु0अ0स0–301/2019 धारा –392/411 भादंवि0 थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2.मु0अ0स0–147/2023 धारा–4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना थरवई कमिश्नेट प्रयागराज अभिषेक साहू पुत्र मदन लाल साहू– 1.मु0अ0स0–255/2019 धारा –392/411 भादंवि0 थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 2.मु0अ0स0–147/2023 धारा–4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना थरवई कमिश्नेट प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 सोहराब अहमद थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज प्रयागराज 2.हे0कां0 रामेश्वरनाथ राय थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज 3.हे0का0 सरवन थाना थरवई कमिश्नरेट प्रयागराज।

स्टीम इस्माइल इस्प्रेडर्स का प्रोजेक्ट अंतिम यात्रा के सम्बंध में बैठक

प्रयागराज। पार्षद आनंद घिल्डियाल आनू भैया के कार्यालय में आज स्टीम इस्माइल इस्प्रेडर्स का प्रोजेक्ट अंतिम यात्रा के सम्बंध में बैठक की गई। जिसने निर्णय लिया गया की लावारिस लाशों एवं जिनके पास अंतिम संस्कार का पैसा नहीं है उसका विधिवत् क्रियाकर्म संस्था द्वारा किया जाएगा। साथ ही साथ बैठक में ये भी निर्णय लिया गया की नेत्र दान और अंगदान का भी बीड़ा संस्था उठाएगी। जहां कोविद काल में संस्था ने आये आयाम बनाये थे वही अब टीम स्माइल इसप्रेडर्स इस नये कार्य की बड़े स्तर पर शुरुआत करने जा रही है। आज की बैठक में पार्षद आनंद घिल्डियाल पार्षद शिव सेवक, समाजसेवी अनुराधा, शिवनार्यन, राहुल बनर्जी, हिना खघन, अजय प्रकाश पांडेय, गुफरान खघन, सुनील निषाद, जावेद सिद्दकी, बबीता जैसवाल, जनेन्द्र गौतम, दीपक पटेल, जितेंद्र कुमार यादव, रणविजय सिंह पटेल, विकास कुमार सिंह, शदाब खघन, किरण मिश्रा, अजय निषाद, मुकेश निषाद, सुनील निषाद, शिखर सिंह, रिंकु यादव आदि उपस्थित रहे।

दुर्घटना में तीन हुए घायल

लालगंज,प्रतापगढ़। सड़क पर अचानक कुत्ते के आ जाने से बाइक असंतुलित हो गयी। दुर्घटना में महिलाओं समेत तीन लोग घायल हो गये। नगर के सागीपुर वार्ड के पवन शर्मा (32)रविवार को दोपहर अपनी मॉ गीता देवी (56) तथा पत्नी नीलम शर्मा (30) बाइक से रिश्तेदारी जा रहा था। लालगंज कालाकाकंर रोड पर ब्लाक कार्यालय के समीप अचानक सड़क पर कुत्ता आ जाने से बाइक असंतुलित हो गयी। दुर्घटना में घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां से प्रारम्भिक उपचार के बाद घायलों को घर भेज दिया गया।

झपट्टा मार मोबाइल चोर दबोचा, 10 मोबाइल बरामद'

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस द्वारा झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने वाले दो शातिर मोबाइल लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। प्रभारी निरीक्षक थाना हाईवे उमेशचन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि एटीवी फैक्ट्री के पास रेलवे लाइन के पीछे से अभियुक्त रवि पुत्र महेन्द्र सिंह सिसौदिया हाल निवासी एफसीआई गोदाम के सामने शिवनगर कालौनी गोवर्धन रोड थाना हाईवे जिला मथुरा (राजू का किराये का मकान) मूल निवासी ग्राम नौगांव थाना छाता को गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से चोरी के 10 मोबाइल बरामद किये गये हैं। पुलिस के मुताबिक ऑटो सवार लोग जो अपना मोबाइल हाथ में पकड़कर ऑटो में बाहर की ओर बैठते हैं उनसे मोटस साइकिल से पीछे आकर झपट्टा मारकर छीन लेना तथा यात्री वाहनों में सवारी बनकर बैठने के बाद शातिर तरीक से लोगो की जेब व पर्स में से मोबाइल फोन चोरी कर लेते था।

नगर निगम में तिरंगे का अपमान

प्रयागराज। नगर निगम के सदन में तिरंगे के अपमान का वीडियो सामने आया है। यहां सदन के मीटिंग हॉल में जहां मेयर की कुर्सी होती है। उसके पीछे की खिड़की में पर्दे की जगह तिरंगा लगा दिया गया है। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद लोग अब नगर निगम के इस कृत्य की निंदा कर रहे है। प्रयागराज निगर निगम में पहले कुल 80 वार्ड थे। हर वार्ड पर एक यानी 80 पार्षद हुआ करते थे। लेकिन 2023 में वार्डों की संख्या बढ़कर 100 हो गई। ऐसे में 20 बढ़े पार्षदों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। इसी को लेकर सदन में रैनोवेशन का काम चल रहा है। यहां पर कई दिनों रंगाई–पुताई हो रही है। जहां–दीवारें और फर्श टूटे पड़े हैं उसकी भी मरम्मत की जा रही है। ताकि सदन हॉल को और सुंदर और व्यवस्थित किया जा सके। इस बारे में प्रयागराज के मेयर गणेश केसरवानी का कहना है कि सदन हॉल की रंगाई–पुताई का काम चल रहा है।

प्रयागराज जंक्शन के लोको पायलट लॉबी में महिला ने अधिकारी पर जमकर बरसाए चप्पल, वायरल हुआ वीडियो

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के लोको पायलट लॉबी में एक महिला ने अधिकारी पर जमकर चप्पल बरसाए। घटना शुक्रवार को दोपहर में उस वक्त हुई जब रेलवे अधिकारी अपनी डेस्क पर काम कर रहे थे। अचानक महिला पहुंची और गुस्से में तमतमाते हुए अपना चप्पल उतार कर अधिकारी पर टूट पड़ी।

इस घटना का एक वीडियो भी बड़ी तेजी के साथ इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। जिसमें महिला अधिकारी पर चप्पल बरसाते हुए उन्हें गालियां दे रही है और कई तरह के आरोप भी लगा रही है। घटना के दौरान आसपास मौजूद रेलकर्मी हतप्रभ रह गए। हालांकि किसी ने भी बीच–बचाव की कोशिश नहीं की। बाद में पता चला कि वह अधिकारी और महिला दोनों पति–पत्नी है। अब दोनों पक्षों की ओर से जीआरपी थाने में तहरीर भी दी गई है।

हालांकि जीआरपी ने भी कोई कार्यवाही लिखा पढ़ी नहीं की है मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रयागराज जंक्शन के लॉबी में चीफ ओएस पद पर तैनात एक अधिकारी शुक्रवार को अपना काम कर रहे थे। दोपहर में एक महिला पहुंची और बातचीत हो ही रही थी कि महिला ने अपनी चप्पल पैर से निकाली और अधिकारी पर बरसाने लगी। इस दौरान महिला चप्पल के साथ गालियों की भी बरसात करती रही। घटना के बाद पूरे लॉबी में खलबली मच गई। सूचना आला अधिकारियों तक पहुंची हुई तो हर कोई हतप्रभ रह गया।

कार्यालय के अंदर हुई इस घटना के बाद क्रू नियंत्रक की ओर से भी कार्रवाई के लिए जीआरपी व आरपीएफ में तहरीर दी गई। जिसमें सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी कर्मचारी से मारपीट करने, जबरन कार्यालय में घुसने, गाली गलौज करने समेत अन्य आरोप है। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

टैबलेट पाकर स्मार्ट हुए आईटीआई के छात्र, चेहरे पर रही मुस्कान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मुहम्मदाबाद गोहाना, मऊ। स्थानीय तहसील क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर संचालित आधा दर्जन आईटीआई विद्यालयों में रविवार को टेबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्यालयों को मिलाकर कुल 508 छात्रों को टेबलेट वितरित किया गया। टेबलेट पाकर छात्रों में खुशी का माहौल रहा। तहसील क्षेत्र के हलीमाबाद गांव स्थित दूधनाथ बासुदेव प्राइवेट आईटीआई के सभागार में टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यअतिथि भाजपा के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष लालजी वर्मा व विशिष्ट अतिथि पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय तिवारी के संयुक्त हाथों द्वारा कुल 180 छात्रों को टेबलेट वितरित किया गया। इसी तरह से श्री हरिराम राष्ट्रीय आईटीआई में 65 छात्रों को, एचआर आईटीआई हरिनगर हलीमाबाद में 96 छात्रों को, श्री सतिराम प्राइवेट आईटीआई प्रधानपुर में 86 छात्रों को, मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के मोहल्ला जमालपुर स्थित रामयश आईटीआई में 65 छात्रों को व इसी मोहल्ले में स्थित ए एसए प्राइवेट आईटीआई 16 छात्रों को टेबलेट वितरण किया गया। स्मार्टफोन पाकर छात्रों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि ने कहा कि कोरोना काल के दौरान बच्चों की शिक्षा में व्यवधान को लेकर मुख्यमंत्री का सपना है कि प्रदेश का हर युवा समग्र रूप से सक्षम हो। आज के इस तकनीकी युग में प्रदेश में वितरित किए जा रहे स्मार्ट फोन व टैबलेट से युवा अपनी पढ़ाई व रोजगार को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन के सदुपयोग करेंगे तो आप का परिवार विकसित होगा तो गांव व क्षेत्र भी विकसित होगा। आगे चलकर जिला, प्रदेश व देश विकसित होगा। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि आइटीआइ शिक्षा में टैबलेट के प्रयोग व उपयोगिता की जानकारी देकर बच्चों को तकनीकी शिक्षा के लिए प्रति प्रेरित किया। कहा कि सरकार तकीनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को टेबलेट बांट रही है जिससे कि देश के युवा छात्र अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए टेबलेट के माध्यम से देश दुनिया विज्ञान आदि का शिक्षा ग्रहण कर सकें।

मंजू यादव को सपा महिला सभा महानगर अध्यक्ष की चौथी बार कमान मिलने पर बधाई देने वालों का तांता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की महिला नेता मंजू यादव को चौथी बार प्रयागराज महिला सभा का महानगर अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर फिर से कमान मिलने पर बधाई देने वालों का तांता लगा है। कीडगंज निवासी मंजू यादव को महिला सभा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती रेबू श्रीवास्तव ने लगातार चौथी बार महानगर अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। महानगर मीडिया प्रभारी सैय्यद मोहम्मद अस्करी के साथ बड़ी संख्या में सपा नेताओं व समाजसेवियों ने उनके कीडगंज आवास जा कर फूल माला पहना कर व बुके आदि भेंट कर बधाई दी। श्रीमती मंजू यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ,प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रेबू श्रीवास्तव सहित अन्य प्रयागराज के बड़े नेताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा की अच्छी व जुझारु तेज तर्रार महिलाओं के साथ सभी वर्ग की महिलाओं को संगठन में जोड़ कर 2024 में सपा के अधिक से अधिक सांसद बनवाने के लिए कार्य जल्द ही प्रारम्भ किया जाएगा। बधाई देने वाले अन्य लोगों में सैय्यद मोहम्मद अस्करी ,आसिफ रिजवी , रामानन्द सागर हेला, सुशील, सारिका यादव , उर्मिला सिंह, बीना यादव, रेनू गौतम, सविता कैथवास, अंकिता श्रीवास्तव, आशा पाल, वीरु पासी, शान यदुवंशी, शानू हाशमी, रेहान अहमद, प्रभाकर सिंह ,संतोष यादव ,जामिन हसन, औन जैदी, जौन जैदी आदि ने मंजू यादव को चौथी बार प्रयागराज महिला सभा की महानगर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।